हिमालय के तलहटी क्षेत्र में तेल सर्वेक्षण

*८१. श्री भक्त दर्शन :
श्री नवल प्रभाकर :
श्री दी० चं० शर्मा :

क्या इस्पात, खान और इंधन मंत्री दिनांक २६ अगस्त, १९५८ के तारांकित प्रश्न संख्या ८९८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में हिमालय का तलहटी क्षेत्र में तथा पंजाब में शिवालिक पर्वत के तलहटी क्षेत्र में इस बीच किन-किन स्थानों का सर्वेक्षण किया गया है;

(ख) उन स्थानों में से प्रत्येक के बारे में अब तक किस प्रकार की रिपोर्ट मिली है,

(ग) इस कार्य के कब तक पूरा होने की आशा है, और

(घ) इस कार्य में और अधिक तेजी लाने और अनुकूल स्थानों पर ड्रिलिंग करने के बारे में कौन से कदम उठाये जा रहे हैं ?

खान और तेल मंत्री (श्री के० डे० मालवीय) : (क) इस समय में कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) इस विषय में अभी कुछ निश्चित नहीं कहा जा सकता ।

(घ) होशियारपुर में जो परीक्षणीय ड्रिलिंग हो रही है उस का काम प्रगति पर है। अन्य स्थानों का निर्धारण जो सर्वेक्षण हो रहे हैं उन पर निर्भर करेगा ।

Lignite Deposits in Jammu and Kashmir

***82. Shri A. M. Tariq:** Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to state the results of the survey of lignite deposits in Jammu and Kashmir conducted by the Geological Survey of India?

The Minister of Mines and Oil (Shri K. D. Malaviya): The investigation of Lignite deposits in the Nichahom area by the Geological Survey of India with the help of drills is still in progress. The drilling operation has temporarily been discontinued due to adverse weather conditions but will be resumed in April 1959. The result of the investigation will be known after it is completed.

It has however been calculated that about 35 million tons of lignite are available but the reserves of economically workable lignite can only be regarded as limited.

Fabricating Shop at Durgapur

***83. Shri Nath Pai:** Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 658 on the 21st August, 1958 and state.

(a) the foreign exchange required for setting up of a fabricating shop at Durgapur,

(b) the total foreign exchange spent in importing fabricated steel during 1957 and 1958 so far, and

(c) the likely import of fabricated material for all the steel plants including the one at Bokaro and the other Goernment projects?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) About Rs 2 crores for the shop contemplated

(b) No statistics are maintained of imports of fabricated steel work separately

(c) About 250,000 tons for the three steel plants in Rourkela, Bhilai and Durgapur together.